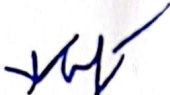


73.24

पत्रावली पेश हुई, अभिभाषकगण द्वारा  
न्यायिक कार्य स्थगन/बहिष्कार रखने  
से पत्रावली दिनांक 14/3 को पेश हो।

14<sup>3</sup>/<sub>24</sub>

पत्रावली पेश हुई, वकील प्राथीगण उपस्थित, विपक्षीगण  
1 लगायत 14 व 16 लगायत 22 के सम्मन तामिल की  
रजि० एडी. प्राप्त हुई जिसे शाठफ किया गया। वकील  
प्राथीगण विपक्षी सं. 15 के विकेट कोर्स कार्यवाही नहीं  
चाहते हैं। विपक्षीगण को कितनी मर्तबा कक-कक  
कर झावाजे डिलायी जाने के पश्चात भी उपस्थित नहीं  
इनके विकेट एक तरफा कार्यवाही किये जाने के  
आदेश दिये जाते हैं। वकील प्राथीगण ने बख्त करनी

तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इनिशयल्स जज	नम अह हुक म
	<p>चाही। वकील प्रार्थीगण की बहस सुनी गयी, बहस के दौरान वकील प्रार्थीगण ने अपने प्रार्थना पत्र को स्वीकार किये जाने की बस्तु दुआ की। मैंने पत्रावली का डवलोकन किया तथा वकील प्रार्थीगण की बहस पर मनन किया। न्यायहित में वकील प्रार्थीगण का प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाकर निर्णय सुपद से लिखा जाकर शामिल पत्रावली किया गया। पत्रावली फैसल सुमार होकर मम्बर से कम हो।</p> <p style="text-align: center;"> उपखण्ड अधिकारी मण्डल</p>	

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी माण्डल जिला भीलवाडा

पीठासीन अधिकारी - मनोज, आर.ए.एस.

मुकदमा संख्या- 206/23 प्रा.पत्र

1- श्री ओमप्रकाश सो. श्री भोगीलाल सुनार निवासी-माण्डल तहसील-माण्डल (बंगरा) - प्राथी

बनाम

1- श्री जगदीश सो. श्री देवी लाल स्वरोल निवासी-माण्डल तहसील-माण्डल (बंगरा) (मुष्कित प्रा.पत्र संलग्न) - विपक्षीगण

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 111-128 रा.भू. रा. अधि. 1956

दिनांक :- 14.03.24


:: आदेश ::

प्रार्थी की ओर से एक प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 111-128 रा. भू.रा. अधि. 1956 के तहत प्रस्तुत कर निवेदन किया कि ग्राम माण्डल..... पटवार हल्का माण्डल I..... तहसील माण्डल में उसके खाते / संयुक्त खाते की आराजी न0 5.70.5, 5.70.6..... कुल किता 0.2..... रकबा 0.7334..... हैक्टियर स्थित है। वादग्रस्त भूमि के विपक्षीगण के मध्य आराजी मृतदायिवा के सीमा चिन्ह नही होने से आये दिनर सीमा संबंधी विवाद उत्पन्ना होता रहता है जिसमें प्रार्थी अपने खाते / संयुक्त खाते की भूमि की पत्थरगढी के आदेश प्रदान कराये जावें।

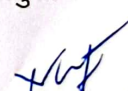
प्रस्तुत प्रार्थना पत्र इस न्यायालय में दिनांक 29.12.23..... को पंजीबद्ध किया जाकर प्रकरण को अवलोकनार्थ से यह बात सिद्ध है कि वादग्रस्त भूमि प्रार्थी एवं कब्जे काशत काशत की होने से पत्थरगढी कराने का अधिकारी है। वैसे भी इस प्रकार के आदेश से आधिकारी निर्धारित किये जाते है। अतः इन तथ्यो को देखते हुए नैसर्गिक की न्यायिक सिद्धान्त के आधार पत्र स्वीकार योग्य है।

:: आदेश ::

प्रार्थी का प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 111-128 रा. भू.रा. अधि. 1956 का स्वीकार किया जाकर ग्राम माण्डल..... पटवार हल्का माण्डल I..... तहसील माण्डल में उसके खाते / संयुक्त खाते की आराजी न0 5.70.5, 5.70.6..... कुल किता 0.2..... रकबा 0.7334..... हैक्टियर भूमि के चारों तरफ सीमा की पुख्ता जानकारी किये जाने हेतु पत्थरगढी किये जाने का आदेश दिया जाता है। पत्थरगढी किये जाने हेतु भू- अभिलेख निरीक्षक माण्डल..... को 500..... रुपये /- कमिश्नर फीस पर कमिश्नर फीस जमा होने पर पक्षकरान् की मौजूदगी मै मोके व कब्जे की यस्थास्थिति को बनाये रखते हुए मुस्तकील बिन्दु को आधार मानकर पत्थरगढी की जावे। फसल खडी होने पर पत्थरगढी नही की जावें।

  
उपखण्ड अधिकारी  
माण्डल  
माण्डल

प्रतिलिपि:- तहसीलदार माण्डल को भेजकर लेख है कि प्रार्थी द्वारा राशि जमा कराने पर नियमानुसार पत्थरगढी की जाकर पालना रिपोर्ट 07 दिवस में प्रस्तुत करें।

  
उपखण्ड अधिकारी  
माण्डल  
माण्डल